This question paper contains **16+3** printed pages]

**Roll No.** | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7907**

Unique Paper Code : **2411102** **F-1**

Name of the Paper : **Financial Accounting & Auditing**

Name of the Course : **B.Com. (Hons.)/Bachelor in Management Studies**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

**Note :** Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt *All* questions.

Show your working notes clearly.

**सभी** प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं ।

अपनी कार्यात्मक टिप्पणी को स्पष्ट कीजिए ।

1. (*a*) Why are Accounting Standards significant ? Briefly explain the features of AS-9. 5

P.T.O.

(*b*) Mr. X commenced business on 1st January, 2009, when he purchased machinery of Rs. 7,00,000. He adopted a policy of : 10

(*i*) Charging depreciation at 15% p.a. on diminishing balance basis, and

(*ii*) Charging full year's depreciation on additions made during the year.

Over the years, the purchases of machinery have been :

| **Date** | **Rs.** |
|---|---|
| 1-8-2010 | 1,50,000 |
| 30-9-2013 | 2,00,000 |

On 1st January, 2013, it was decided to change the method of depreciation and rate of depreciation to 10% on straight line basis with retrospective effect from 1-1-2009, the adjustment being made in the accounts for the year ending 31st December, 2013.

Prepare Machinery Account and Provision for Depreciation Account for the year 2013.

(क) लेखांकन मानदण्ड क्यों महत्त्वपूर्ण है ? AS-9 की विशेषताओं को संक्षेप में समझाइये ।

(ख) एक्स ने 1 जनवरी, 2009 को 7,00,000 रु. की मशीनरी खरीदकर अपना व्यापार प्रारम्भ किया । उसने निम्न नीति अपनायी :

(*i*) ह्रासमान शेष पद्धति के आधार पर 15% प्रति वर्ष की दर से ह्रास चार्ज करना, और

(*ii*) वर्ष के दौरान मशीनरी में की गयी वृद्धियों पर पूरे साल का ह्रास चार्ज करना ।

गत वर्षों में मशीनरी का क्रय इस प्रकार हुआ :

| तिथि | रु. |
|---|---|
| 1-8-2010 | 1,50,000 |
| 30-9-2013 | 2,00,000 |

1 जनवरी, 2013 को ह्रास की पद्धति व दर बदलने हेतु निम्न फैसला लिया गया : ह्रास की 10% दर सरल रेखा पद्धति के अनुसार 1 जनवरी, 2009 से पूर्व-प्रभावी आधार पर लागू की गयी और 31 दिसम्बर, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लेखों में आवश्यक समायोजन कर दिये गये ।

आप वर्ष 2013 के लिए मशीनरी खाता और ह्रास के लिए प्रावधान खाता तैयार कीजिए ।

*Or*

**(अथवा)**

(*a*) What are Accounting Conventions ? Explain the Convention of Conservatism with suitable examples. 5

(*b*) The following are the details of a spare part of Sri Ram Mills : 10

| | | |
|---|---|---|
| 1-1-2013 | Opening Stock | Nil |
| 1-1-2013 | Purchases | 100 units @ Rs. 30 per unit |
| 15-1-2013 | Issued for consumption | 50 units |
| 1-2-2013 | Purchases | 200 units @ Rs. 40 per unit |
| 15-2-2013 | Issued for consumption | 100 units |
| 20-2-2013 | Issued for consumption | 100 units |
| 1-3-2013 | Purchases | 150 units @ Rs. 50 per unit |
| 15-3-2013 | Loss by Fire | 100 units |

Find out the value of stock as on 31-3-2013 if the company follows Perpetual Inventory Method on FIFO basis and on LIFO basis.

(क) लेखांकन की प्रथाओं (परम्पराओं) से क्या अभिप्राय है ? रूढ़िवादिता की प्रथा को उपयुक्त उदाहरणों सहित समझाइये ।

(ख) श्री राम मिल्स के एक अतिरिक्त पुर्जे सम्बन्धी विस्तृत जानकारी निम्नलिखित है :

| | | |
|---|---|---|
| 1-1-2013 | प्रारंभिक स्टॉक | शून्य |
| 1-1-2013 | क्रय | 100 यूनिट 30 रु. प्रति यूनिट की दर पर |
| 15-1-2013 | उपभोग हेतु निर्गमन | 50 यूनिट |
| 1-2-2013 | क्रय | 200 यूनिट 40 रु. प्रति यूनिट की दर पर |
| 15-2-2013 | उपभोग हेतु निर्गमन | 100 यूनिट |
| 20-2-2013 | उपभोग हेतु निर्गमन | 100 यूनिट |
| 1-3-2013 | क्रय | 150 यूनिट 50 रु. प्रति यूनिट की दर पर |
| 15-3-2013 | आग से हानि | 100 यूनिट |

कम्पनी में निरंतर स्कंध प्रणाली का प्रचलन होने की दशा में क्रमशः प्रथम आवक, प्रथम जावक (फिफो) तथा अंतिम आवक, प्रथम जावक (लिफो) के आधार पर 31 मार्च, 2013 को स्टॉक का मूल्य ज्ञात कीजिए ।

2. From the following balances extracted from the books of Mr. X, prepare Trading and Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2013 and a Balance Sheet as on that date : 15

| **Particulars (Dr.)** | **Rs.** | **Particulars (Cr.)** | **Rs.** |
|---|---|---|---|
| Computer at cost | 18,380 | X's Capital Account | 60,000 |
| Purchases | 71,280 | Sundry Creditors | 13,000 |
| Cash at bank | 4,000 | Bills payable | 10,220 |
| Cash in hand | 2,836 | Discount received | 22,000 |
| Furniture & Fittings at cost | 1,540 | Sales | 60,720 |
| Rent | 12,540 | Returns outwards | 11,432 |
| Bills receivable | 6,720 | Rent due | 320 |
| Trade charges | 920 | | |
| Sundry Debtors | 34,156 | | |
| Drawings | 5,200 | | |
| Discount | 540 | | |
| Wages | 1,800 | | |
| Salaries | 16,780 | | |
| Returns Inwards | 1,000 | | |
| | 1,77,692 | | 1,77,692 |

*Adjustments* :

(*i*) Closing stock on 31st March, 2013 was valued at Rs. 25,600 at cost (Market Value Rs. 26,200).

(*ii*) Depreciation on furniture and fittings shall be provided at 10% p.a.

(*iii*) Provide for doubtful debts at 5% on Sundry Debtors.

(*iv*) Goods costing Rs. 1,500 were used by the proprietor.

(*v*) Stationery charges Rs. 1,200 were due on 31st March, 2013.

(*vi*) Purchases include opening stock at Rs. 7,000 (cost price).

(*vii*) Sales representative was entitled to a commission of 5% on net profits after charging such commission.

(*viii*) No depreciation need to be provided for computer as it had been purchased on 31st March, 2013 and not put into use.

एक्स की लेखा-पुस्तकों से संकलित निम्न शेषों से 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापारिक एवं लाभ-हानि खाता तथा उसी तिथि पर एक आर्थिक चिट्ठा (तुलन-पत्र) तयार कीजिए :

| **विवरण (नाम)** | **रु.** | **विवरण (जमा)** | **रु.** |
|---|---|---|---|
| गणक (लागत पर) | 18,380 | एक्स का पूँजी खाता | 60,000 |
| खरीद | 71,280 | विविध लेनदार | 13,000 |
| बैंक में रोकड़ | 4,000 | देय बिल | 10,220 |
| हस्तस्थ रोकड़ | 2,836 | प्राप्त छूट | 22,000 |
| फर्नीचर एवं फिटिंग (लागत पर) | 1,540 | बिक्री | 60,720 |
| किराया | 12,540 | वापसी जाना | 11,432 |
| प्राप्य बिल | 6,720 | देय किराया | 320 |
| व्यापारिक खर्चे | 920 | | |
| विविध देनदार | 34,156 | | |
| आहरण | 5,200 | | |
| छूट | 540 | | |
| मजदूरी | 1,800 | | |
| वेतन | 16,780 | | |
| वापसी आना | 1,000 | | |
| | 1,77,692 | | 1,77,692 |

**समायोजन :**

(*i*) 31 मार्च, 2013 को अंतिम स्टॉक 25,600 रु. (लागत मूल्य) पर मूल्यांकित किया गया (जिसका बाजार मूल्य 26,200 रु. था) ।

(*ii*) फर्नीचर एवं फिटिंग पर ह्रास के लिए प्रावधान 10% वार्षिक दर से किया जायेगा ।

(*iii*) विविध देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान होगा ।

(*iv*) 1,500 रु. की लागत से आया माल व्यापार के स्वामी द्वारा निजी इस्तेमाल में लाया गया ।

(*v*) 31 मार्च, 2013 को 1,200 रु. स्टेशनरी चार्ज के रूप में देय थे ।

(*vi*) 7,000 रु. लागत-मूल्य का प्रारंभिक स्टॉक खरीद में सम्मिलित है ।

(*vii*) विक्रय प्रतिनिधि कमीशन के रूप में शुद्ध लाभ का 5%, जो कि इस कमीशन को चार्ज करने के बाद आती है, पाने का अधिकारी है ।

(*viii*) गणक (कम्प्यूटर) का क्रय 31-3-2013 को होने से और न ही इसका इस्तेमाल होने के कारण, इसके लिए ह्रास का प्रावधान अपेक्षित नहीं है ।

*Or*

**(अथवा)**

X, Y and Z were partners in a business. Their Balance Sheet as on 31st March, 2013 was as follows : 15

| **Liabilities** | **Rs.** | **Assets** | **Rs.** |
|---|---|---|---|
| X's Capital | 1,60,000 | Premises | 4,00,000 |
| Y's Capital | 1,00,000 | Machinery | 4,00,000 |
| X's Loan | 2,00,000 | Fixtures | 1,60,000 |
| Sundry Creditors | 10,00,000 | Stock | 1,60,000 |
| | | Sundry Debtors | 2,00,000 |
| | | Cash | 10,000 |
| | | Z's Capital | 1,30,000 |
| | 14,60,000 | | 14,60,000 |

Due to bad financial position of the partners, the firm was dissolved and all partners were declared bankrupt. The assets were realised as follows :

Book Debts 45% less, Properties Rs. 1,60,000, Stock Rs. 1,00,000, Machinery Rs. 2,00,000, and Fixtures Rs. 40,000. Realisation expenses amounted to Rs. 10,000. The private financial position of partners was as follows :

| | **Private Assets** | **Private Liabilities** |
|---|---|---|
| | (Rs.) | (Rs.) |
| X | 2,50,000 | 2,50,000 |
| Y | 2,00,000 | 1,80,000 |
| Z | 2,30,000 | 2,50,000 |

Prepare necessary accounts to close the books of accounts of the firm.

एक्स, वाई और ज़ेड एक व्यापार में तीन साझेदार थे । 31 मार्च, 2013 को उनका आर्थिक चिट्ठा निम्नलिखित था :

| देयताएँ | रु. | परिसम्पत्तियाँ | रु. |
|---|---|---|---|
| एक्स की पूँजी | 1,60,000 | भवन | 4,00,000 |
| वाई की पूँजी | 1,00,000 | मशीनरी | 4,00,000 |
| एक्स का ऋण | 2,00,000 | स्थायक | 1,60,000 |
| विविध लेनदार | 10,00,000 | स्टॉक | 1,60,000 |
| | | विविध देनदार | 2,00,000 |
| | | रोकड़ | 10,000 |
| | | ज़ेड की पूँजी | 1,30,000 |
| | 14,60,000 | | 14,60,000 |

साझेदारों की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण फर्म का विघटन हो गया और सभी साझेदारों को दिवालिया घोषित कर दिया गया । परिसम्पत्तियों से वसूली इस प्रकार थी :

पुस्त-ऋण 45% कम, सम्पत्तियाँ 1,60,000 रु., स्टॉक 1,00,000 रु., मशीनरी 2,00,000 रु. तथा स्थायक 40,000 रु. । वसूली के खर्चों की कुल रकम 10,000 रु. थी । साझेदारों की निजी आर्थिक स्थिति इस प्रकार थी :

| | निजी सम्पत्तियाँ | निजी देयताएँ |
|---|---|---|
| | (रु.) | (रु.) |
| एक्स | 2,50,000 | 2,50,000 |
| वाई | 2,00,000 | 1,80,000 |
| ज़ेड | 2,30,000 | 2,50,000 |

फर्म की किताबें बंद करने हेतु आवश्यक खाते तैयार कीजिए ।

3. Punjab Cycle Co. of Ludhiana consigned 100 bicycles to Kanpur, costing Rs. 1,500 each, invoiced at Rs. 2,000 each. The Consignor paid freight Rs. 10,000 and insurance in transit Rs. 1,500. During transit, 10 bicycles were totally damaged. Kanpur Cycle Co. took delivery of the remaining bicycles and paid Rs. 1,530 for octroi duty. Kanpur Cycle Co. sent a bank draft to Punjab Cycle Co. for Rs. 50,000 as advance and later on sent an Account sales showing that 80 bicycles had been sold @ Rs. 2,200 each. Expenses incurred by Kanpur Cycle Co. on godown rent were Rs. 2,000. Kanpur Cycle Co. is entitled to a commission of 5% on invoice price and 25% on any surplus of sale price over invoice price. Insurance claim was settled at Rs. 14,000.

Prepare Consignment A/c and Consignee's A/c in the books of the Consignor. 15

लुधियाना की पंजाब साइकिल कम्पनी ने 100 साइकिलें, जिनकी लागत 1,500 रु. प्रति साइकिल थी, 2,000 रु. प्रति साइकिल बीजक मूल्य पर कानपुर को प्रेषित की । प्रेषक ने भाड़े हेतु 10,000 रु. और मार्गस्थ बीमे हेतु 1,500 रु. का भुगतान किया । यात्रा के दौरान, 10 साइकिलें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयीं । कानपुर साइकिल कम्पनी ने चुंगी भाड़े हेतु 1,530 रु. का भुगतान देकर शेष माल सुपुर्दगी लेकर छुड़ा लिया । कानपुर साइकिल कम्पनी ने 50,000 रु. का एक बैंक-ड्राफ्ट पंजाब साइकिल कम्पनी को पेशगी के रूप में भेज दिया और तत्पश्चात् 80 साइकिलों की 2,200 रु. प्रति साइकिल के हिसाब से बिक्री दिखाते हुए एक विक्रय-विवरण भेजा । कानपुर साइकिल कम्पनी द्वारा गोदाम के किराये हेतु 2,000 रु. खर्च किये गये । कानपुर साइकिल कम्पनी बीजक-मूल्य का 5% तथा बीजक-मूल्य पर विक्रय-मूल्य के

आधिक्य का 25% कमीशन के रूप में पाने की अधिकारी है । बीमे के दावे का फैसला 14,000 रु. पर निर्धारित हुआ ।

आप प्रेषक की पुस्तकों में प्रेषण खाता तथा प्रेषणी का खाता तैयार कीजिए ।

*Or*

**(अथवा)**

X and Y entered into a Joint Venture to underwrite the subscription of the entire share capital of Bright Star Ltd. consisting of 1,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each and to pay all expenses up to allotment. They were to share the profits in the ratio of 3 : 2. The consideration was 12,000 other shares of Rs. 10 each fully paid to be issued to them.

X provided the funds for registration fees Rs. 12,000, advertising Rs. 11,000 and Stationery Rs. 9,500.

Y contributed towards payment of office rent Rs. 3,000, legal charges Rs. 15,500 and staff salaries Rs. 9,000.

The prospectus was issued and the applications fell short of the full issue by 15,000 shares. X took over these shares on Joint venture and paid for same in full. They received 12,000 fully paid shares as consideration. They sold all the shares @ Rs. 12.50 less 50 paise brokerage per share. The proceeds were shared by X for 15,000 shares and by Y for the balance.

Prepare Joint Venture Account and Co-venturer's Account in the books X and Y. 15

एक्स और वाई ने ब्राइट स्टार लि. के 10 रु. वाले 1,00,000 समता-अंशों युक्त सम्पूर्ण अंश पूँजी के अभिदान का अभिगोपन करने तथा आबंटन तक के सभी व्ययों का भुगतान करने हेतु एक संयुक्त उपक्रम में प्रवेश किया । लाभों का सहभाजन 3 : 2 के अनुपात में होना तय हुआ । प्रतिफल के रूप में कम्पनी द्वारा 10 रु. वाले अन्य पूर्णदत्त अंश उनको निर्गमित किये जाने थे ।

पंजीकरण की फीस 12,000 रु., विज्ञापन व्यय 11,000 रु. तथा स्टेशनरी के लिए 9,500 रु. की रकमों का भुगतान एक्स ने किया ।

वाई ने दफ्तर का किराया 3,000 रु., कानूनी व्यय 15,500 रु. तथा स्टॉफ का वेतन 9.000 रु. हेतु भुगतान किया ।

कम्पनी द्वारा प्रविवरण जारी किया गया और सम्पूर्ण निर्गमन में से 15,000 अंशों के लिए कम आवेदन प्राप्त हुए । एक्स ने संयुक्त उपक्रम पर इन अंशों को लेकर उनके लिए पूरा भुगतान कर दिया । एक्स और वाई को प्रतिफल के रूप में कम्पनी से 12,000 पूर्णदत्त अंश मिले । उन्होंने 50 पैसे प्रति अंश की दलाली देकर सारे अंश 12.50 रु. प्रति अंश के भाव पर बेच दिये । एक्स ने 15,000 अंशों के लिए और वाई ने संतुलन के लिए अर्थागम का बँटवारा कर लिया ।

आप एक्स और वाई की लेखा-पुस्तकों में संयुक्त उपक्रम खाता तथा सह-उपक्रमी खाता तैयार कीजिए ।

4. On 1st April, 2012, R. Ltd. of Delhi started a Branch at Kanpur to which goods were sent at 20% above cost. The Branch made both cash and credit sales. Branch expenses were to meet from Branch cash and balance was remitted to Head Office. Necessary accounts relating to Branch are maintained in Head Office books. The following details are given for the year ended 31st March, 2013 : 15

| | Rs. |
|---|---|
| Cost of goods sent to Branch | 5,00,000 |
| Goods received by branch till 31st March, 2013 at invoice price | 5,40,000 |
| Credit sales for the year | 5,80,000 |
| Bad Debts & Discounts written off | 2,000 |
| Cash remitted to Head Office | 4,30,000 |
| Expenses incurred at branch | 1,20,000 |
| Debtors at the end at branch | 2,08,000 |
| Cash in hand at the end at branch | 20,000 |
| Cash remitted by Head Office to branch for expenses | 30,000 |
| Closing stock at branch at invoice price | 60,000 |

Prepare Branch Stock A/c, Branch Adjustment A/c, Branch Profit and Loss A/c and Branch Cash A/c.

1 अप्रैल, 2012 को दिल्ली की आर. लि. ने कानपुर में एक शाखा खोली । इस शाखा को लागत से 20% अधिक पर माल भेजा गया । शाखा ने नकद और उधार दोनों प्रकार से माल बेचा । शाखा के व्यय उपलब्ध रोकड़ से किये गये और शेष रकम प्रधान कार्यालय को भेज दी गयी । शाखा से सम्बन्धित आवश्यक खाते प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में रखे जाते हैं । 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आपको निम्न विवरण दिये गये हैं :

| | रु. |
|---|---|
| शाखा को भेजे गये माल की लागत | 5,00,000 |
| 31 मार्च, 2013 तक शाखा द्वारा बीजक कीमत पर प्राप्त माल | 5,40,000 |
| वर्ष के दौरान उधार बिक्री | 5,80,000 |
| डूबत ऋण व अपलिखित बट्टा | 2,000 |
| प्रधान कार्यालय को प्रेषित रोकड़ | 4,30,000 |
| शाखा द्वारा किये गये व्यय | 1,20,000 |
| शाखा देनदारों का अंतिम शेष | 2,08,000 |
| शाखा के पास अंत में हस्तस्थ रोकड़ | 20,000 |
| प्रधान कार्यालय द्वारा शाखा को व्ययों हेतु भेजी गयी रोकड़ | 30,000 |
| शाखा के पास अंतिम स्टॉक (बीजक मूल्य पर) | 60,000 |

तैयार कीजिए : शाखा स्टॉक खाता, शाखा समायोजन खाता, शाखा लाभ-हानि खाता तथा शाखा रोकड़ खाता ।

*Or*

**(अथवा)**

On 1st April, 2011 X purchased 5 machines on Hire-Purchase System from Y Ltd. the cash price of each machine was Rs. 3,00,000. The terms of payment were as follows : 15

(*i*) Down payment — Rs. 3,00,000.

(*ii*) Six half-yearly instalments of Rs. 2,35,000 each, payable on 30th September and 31st March every year.

X writes off depreciation @ 10% p.a. on diminishing balance method.

X paid instalments due up to 31st March, 2013, but due to financial crisis could not pay the instalment due on 30th September, 2013. After negotiation it was agreed that the vendor would repossess two machines for which X would get credit for the amount paid towards the cost of two machines less 25% thereof. These machines were repaired for Rs. 7,000. Y Ltd. sold one machine for Rs. 2,00,000.

Prepare Y Ltd. A/c, Machine A/c in the books of X and X's A/c in the books of Y Ltd.

एक्स ने 1 अप्रैल, 2011 को भाड़ा-क्रय आधार पर वाई लिमिटेड से 5 मशीनें खरीदीं । प्रत्येक मशीन का नकद क्रय-मूल्य 3,00,000 रु. था । भुगतान की शर्तें निम्न प्रकार थीं :

(*i*) तुरंत भुगतान — 3,00,000 रु.

(*ii*) छः अर्द्धवार्षिक किस्तें प्रति वर्ष 30 सितम्बर और 31 मार्च को देय 2,35,000 रु. की प्रत्येक किस्त ।

एक्स, ह्रासमान शेष पद्धति के अनुसार 10 प्रतिशत वार्षिक दर से ह्रास अपलिखित करता है ।

एक्स ने 31 मार्च, 2013 तक देय किस्तों का भुगतान तो कर दिया किन्तु वह वित्तीय संकट के कारण 30 सितम्बर, 2013 को देय किस्त का भुगतान करने में असफल रहा । समझौते के उपरान्त यह तय हुआ कि विक्रेता दो मशीनों का कब्जा वापस लेगा और इसके लिए एक्स को उसके द्वारा उक्त दो मशीनों की लागत हेतु किये गये भुगतान की रकम के लिए, उसका 25% घटाकर, जमा मिलेगी । दोनों मशीनों की मरम्मत का खर्चा 7,000 रु. आया । वाई लिमिटेड ने इनमें से एक मशीन 2,00,000 रु. लेकर बेच दी ।

आप एक्स की पुस्तकों में वाई लिमिटेड का खाता, मशीन खाता और वाई लिमिटेड की पुस्तकों में एक्स का खाता तैयार कीजिए ।

5. Attempt any *three* of the following : 3×5

(*a*) Define Auditing. How does it help in detecting and preventing accounting errors ?

(*b*) "Auditor is a watch-dog but not a blood hound." Comment.

(*c*) Define Vouching. Why is it important in Auditing ?

(*d*) Audit procedure to verify the long-term Bank loan.

(*e*) Distinguish between Vouching and Verification.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

(क) अंकेक्षण की परिभाषा दीजिए । अंकेक्षण लेखांकन की त्रुटियों का पता लगाने और उनको रोकने में किस प्रकार सहायक है ?

(ख) "अंकेक्षक एक रखवाली करने वाले कुत्ते के समान कार्य करता है न कि शिकारी कुत्ते के समान ।" टिप्पणी कीजिए ।

(ग) प्रमाणन की परिभाषा दीजिए । अंकेक्षण में इसका क्या महत्त्व है ?

(घ) बैंक से लम्बी-अवधि हेतु लिये गये ऋण के सत्यापन की अंकेक्षण-कार्यविधि ।

(ङ) प्रमाणन एवं सत्यापन में अंतर बताइए ।